कोरोना संक्रमण रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता : चौहान

लॉकडाउन छोड़कर अन्य सभी उपाय करें, जनता को जागरुक किया जाना आवश्यक

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में दोबारा कोरोना का संक्रमण बढ़ रहा है। ऐसे समय में शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता कोरोना संक्रमण रोकना है। सभी प्रभारी अधिकारी सक्रिय हो जाएँ और अपने-अपने जिलों की रोज मॉनिटरिंग करें। सभी जिले क्राइसिस मैनेजमेंट समूह की बैठक कर जिलों में कोरोना संक्रमण रोकने, टेस्टिंग व उपचार की उत्कृष्ट व्यवस्था सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक गतिविधियाँ प्रभावित न हों तथा जनता को परेशानी न हो, इसके मद्देनजर हमें कोरोना संक्रमण रोकने के लिए लॉकडाउन छोड़कर अन्य सभी उपाय करने होंगे। जनता को जागरूक करना होगा कि सभी मास्क लगाएँ तथा सोशल डिस्टेंसिंग रखें व सभी आवश्यक सावधानियाँ बरतें। इसके लिए जन-प्रतिनिधियों, धर्मगुरुओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं आदि सभी का सक्रिय सहयोग लेना होगा। मुख्यमंत्री आज अपने निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों में कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, डीजीपी विवेक जौहरी, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य मोहम्मद सुलेमान, अपर मुख्य सचिव गृह राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव मनीष रस्तोगी उपस्थित थे।

कोरोना की जिलेवार समीक्षा में पाया गया कि भोपाल में सर्वाधिक 382, इंदौर में 326 जबलपुर में 108, बैतूल में 42, ग्वालियर में 41, रतलाम में 38, खरगोन में 35, सागर में 34, उज्जैन में 28, छिंदवाड़ा में 27, बुरहानपुर में 21 तथा खंडवा में 20 नए प्रकरण आए हैं। गत 7 दिनों के औसत के अनुसार प्रदेश में प्रतिदिन औसत 1019 प्रकरण पॉजिटिव आ रहे हैं। प्रदेश की औसत पॉजिटिविटी रेट 5.3 प्रतिशत हो गई है। मुख्यमंत्री चौहान ने सभी जिलों में विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए। चौहान ने कहा कि कोरोना संक्रमण रोकने के लिए यह आवश्यक है कि आगामी त्यौहार होली आदि घर पर ही मनाए जाएँ। इन त्यौहारों पर चल समारोह प्रतिबंधित रहेंगे। कहीं भी भीड़ करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

चौहान ने कहा कि सभी जिलों में मेले प्रतिबंधित रहेंगे। जिन जिलों में कोरोना के कम प्रकरण हैं, उन्हें छोड़कर शेष सभी में सामाजिक गतिविधियाँ भी प्रतिबंधित रहेंगी। सीमित संख्या के साथ आवश्यक सामाजिक गतिविधियाँ जिला प्रशासन की अनुमति से की जा सकेंगी। कोरोना से सतर्कता, सजगता एवं सावधानी बरतने की याद दिलाने के लिए 23 मार्च से कुछ दिनों के लिए प्रतिदिन प्रातः 11 बजे एवं सायं 7 बजे कोरोना सायरन बजेगा। मंगलवार 23 मार्च को सुबह 11 बजे जब कोरोना सायरन बजेगा उस समय सभी लोग अपने-अपने स्थानों पर रुक जाएंगे तथा मास्क लगाने एवं सामाजिक दूरी रखने का संकल्प लेंगे। इसके बाद जन-प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, एनसीसी व एनएसएस के कैडेट्स आदि लोगों को मास्क लगवाएंगे तथा सावधानी बरतने के लिए प्रेरित करेंगे। वे दुकानों के सामने सोशल डिस्टेंसिंग के लिए गोले भी बनवाएंगे।

राजा विक्रमादित्य का बनाएंगे आलीशान मंदिरः तेजवानी

भोपाल (हिनप्र)। आगामी साल में इस बात का प्रयास किया जाएगा कि तालाब किनारे सरकार से कम से कम एक एकड़ जमीन की मांग की जाएए जहां राजा वीर विक्रमादित्य का आलशान मंदिर बनाया जाएगा। इसके लिए भाजपा नेताओं को विशेष रूप से आगे आना होगा।

यह कहना है राजा वीर विक्रमादित्य महोत्सव समिति के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाज सेवी किशोर तेजवानी का। वे राजा वीर विक्रमादित्य के चार दिवसीय महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर राजा वीर मंदिर में आयोजित वार्षिक कार्यक्रम में बोल रहे थे। कोरोना संक्रमण व रविवार को लाकडाउन के कारण इस बार चार दिनी महोत्सव को सीमित किया गया है।

शनिवार को जहां शुभारंभ अवसर पर सिंधी भगत का प्रोग्राम हुआए वहीं अब सोमवार को सुगह 10 बजे विश्व शांतिए मानव कल्याण एवं कोरोना के खात्मे की प्रार्थना के साथ इसका समापन किया जाएगा। वरिष्ठ समाज सेवी ईश्वरदास हिमथानी, लख्मीचंद नरियानी, नव युवक सभा के अध्यक्ष वासुदेव वाधवानी, समाज सेवी प्रतापराय तेजवानी, सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी, पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष साबूमल रीझवानी, महासचिव माधु चांदवानी, मूलचंद वीधानी, कपड़ा एसोसिएशन के अध्यक्ष कन्हैया इसरानी, त्रिलोक दीपानी, नारी तनवानी, जेठानंद मूलचंदानी, मनोहर वीधानी, समाजसेवी आसूदोमल लच्छवाणी, पूर्व पार्षद अशोक मारन, भाजपा नेता चन्द्रप्रकाश इसरानी आदि मौजूद रहे। तेजवानी ने विधायक रामेश्वर शर्मा से राजा वीर मंदिर के लिए जमीन उपलब्ध कराने की अपील की और इसके लिए कार्यक्रम में मौजूद भाजपा नेता चन्द्रप्रकाश इसरानी से आगे आने का आग्रह किया।

पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी ने कहा कि राजावीर मंदिर के लिए जमीन केवल बातें करने से नहीं मिल सकती इसके लिए सरकारी जमीन की तलाश कर, बाकायदा नक्शे बनवाकर, राजस्व निरीक्षक की रिपोर्ट, तहसीलदार एवं नजूल अधिकारी के मत के साथ कलेक्टर के आवेदन करना होगा, ताकि सरकार से जमीन मिल सके।

सिंधी भगत पर थिरके लोगः यहां परम्परागत सिंधी भगत का भी आयोजन किया गया है। हालांकि चार दिवसीय विक्रमादित्य महोत्सव थाए लेकिन लोकडाउन के चलते इसे सीमित किया गया है। शनिवार को उदघाटन के बाद पल्लव एवं आरती हुई जबकि शाम तथा रात 10 बजे सिंधी भक्ति गीत संगीत हुआ। इसके बाद सीधे सोमवार को सुबह 10 बजे समापन्न किया जाएगा। यहां सिंधी भक्ति गीतों पर उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने सिंधी नृत्य भी किया। इस मौके पर ज्योति प्रज्वलित कर उसे सिर पर रखकर विश्व शांतिए मानव कल्याण व कोरोना संक्रमण के खात्मे के लिए विशेष प्रार्थना की गई। पहले दिन प्रेमचंद तेजवानी सभागार में भंडारे का आयोजन भी किया गया

मुख्यमंत्री कल 60 हजार ग्रामीण पथ विक्रेताओं को देंगे ब्याज मुक्त ऋण की सौगात

भोपाल (काप्र)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 23 मार्च को मिंटो हॉल से करीब 60 हजार ग्रामीण पथ विक्रेता हितग्राहियों को सामूहिक ऋण वितरण करेंगे। यह 5वां अवसर है, जब मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेताओं को प्रदेश शासन की क्रेडट गारंटी पर बैंकों से ऋण उपलब्धत करवा रहे है।

योजना में अब तक एक लाख से अधिक ग्रामीण प्रवासी श्रमिकों सहित अन्य जरूरतमंद पथ विक्रेताओं को राज्य शासन की गारंटी पर 10-10 हजार रूपये का ऋण उपलब्ध करवा कर लाभान्वित किया जा चुका है। ग्रामीण पथ विक्रेताओं को रोजगार की बेहतरी के लिये उपलब्ध कराये गये ऋण का ब्याज अनुदान राज्य शासन द्वारा दिया जाता है।

श्री चौहान ने बताया कि कोरोना महामारी के कारण लगाये गये लॉक डाउन की बजह से स्ट्रीट वेण्डर का काम करने वाले छोटे कारोबारियों की आजीविका पर अत्यंत विपरीत प्रभाव पड़ा। इनके व्यवसाय फिर से प्रारंभ करने के लिए पथ विक्रेताओं को आसान कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराने की दृष्टि से मुख्यमंत्री स्ट्रीट वेण्डर योजना बनाई। इस योजना में विभिन्न प्रकार के व्यवसायी जैसे- आइस्क्रीम, फल, समोसा/कचौड़ी, ब्रेड-बिस्किट, मुर्गी-अण्डे, कपड़ा, छोटे बर्तन, जूते-चप्पल, झाड़ू, केश शिल्पी, हाथ ठेला चालक, सायकल/मोटर सायकल रिपेयरिंग, बढ़ई, कुम्हार ग्रामीण शिल्पी, बुनकर, धोबी, टेलरिंग और कर्मकार मण्डल के अंतर्गत आने वाले व्यवसाय आदि से संबंधित व्यवसायी, सेवा प्रदाता सहित अन्य इस प्रकार के कार्य करने वाले पथ विक्रेता व्यवसायी को सम्मिलित किया गया है।

मनोज श्रीवास्तव, अपर मुख्य सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना में ग्रामीण क्षेत्र के पथ विक्रेता व्यवसाइयों को 10 हजार रूपये तक बैंक से कार्यशील पूंजी ऋण के रूप में उपलब्ध कराने में सहयोग करना, नियमित ऋण वापसी को प्रोत्साहित करना तथा छोटे उद्यमियों को व्यापार व्यवसाय में प्रशिक्षण में सहयोग देना है। योजना में राज्य शासन द्वारा प्रत्येक हितग्राही को 10 हजार रूपये तक के ऋण पर 14 प्रतिशत तक ब्याज अनुदान की प्रतिपूर्ति की जाएगी। साथ ही योजना में राज्य शासन की क्रेडिट गारंटी रहेगी। इस योजना के पात्र हितग्राहियों को स्टाम्प ड्यूटी के प्रयोजनों से भी विमुक्त रखा गया है। योजना में 18 से 55 वर्ष आयु वर्ग के ग्रामीण प्रवासी श्रमिक, गरीब वर्ग के परिवार, ग्रामीण क्षेत्र के व्यवसायी, जिनके परिवार की महिलायें आजीविका मिशन या तेजस्विनी परियोजना में गठित स्वङ्कसहायता समूह की सदस्य हों, लाभांवित हो सकते हैं। योजना में शैक्षणिक योग्यता एवं जाति का कोई बंधन नहीं है। योजना को सरल एवं पारदर्शी बनाने के लिए कामगार सेतु पोर्टल बनाया गया है। योजना अंतर्गत अभी तक 15 लाख 13 हजार से अधिक हितग्राहियों का पंजीयन कामगार सेतु पोर्टल के माध्यम से कराया जा चुका है। इनमें से 2 लाख 16 हजार से अधिक हितग्राहियों के प्रकरण बैंक द्वारा स्वीकृत किये गये हैं।

किसान अपनी फसल समर्थन मूल्य पर ही विक्रय करेंः पटेल

भोपाल (काप्र)। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने रविवार को फेसबुक पर किसानों से संवाद करते हुए कहा कि मौसम की स्थिति को देखते हुए चना, मसूर एवं सरसों की खरीदी की तिथि 22 मार्च से आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे अपनी फसल समर्थन मूल्य पर ही बेचें। मौसम में सुधार होते ही खरीदी प्रारंभ करेंगे।

कृषि मंत्री श्री पटेल ने बताया कि बारिश एवं ओला प्रभावित क्षेत्रों में सर्वे का काम प्रारम्भ कर दिया गया है। उन्होंने किसानों से अपील की कि यदि उनकी फसल खराब हुई है और सर्वे अभी प्रारम्भ नही हुआ है, तो स्थानीय कृषि, राजस्व विभाग के अधिकारियों, तहसीलदार, एडीएम एवं जन-प्रतिनिधियों को खराब हुई फसलों की तत्काल सूचना दें। असुविधा होने पर कमल सुविधा केंद्र 0755-2558823 पर सूचना भी दे सकते हैं।

श्री पटेल ने प्रदेश के किसान भाइयों को बधाई देते हुए कहा कि कोरोना काल में हमारे अन्नदाताओं ने बंपर पैदावार की, जिससे विगत वर्ष मध्यप्रदेश गेहूँ खरीदी में पंजाब को पीछे छोड़ते हुए नंबर-1 राज्य बना। इस वर्ष हमने 135 लाख मीट्रिक टन गेहूँ खरीदी का लक्ष्य रखा है।

लॉकडाउन में रहा संतनगर में सन्नाटा

भोपाल (हिनप्र)। 32 घंटे के भोपाल लॉकडाउन का असर संतनगर में कमोबेस राजधानी की तरह रहा। सड़कों पर सन्नाटा रहा। दुकानें बंद रहीं, बेवजह गलियों में घूम रहे लोगों को पुलिस चेताया।

भोपाल में लगातार बढ़ रहे कोरोना के नए मरीजों की चिंता के चलते शनिवार रात 10 बजे से सोमवार सुबह छह बजे तक के संपूर्ण लॉकडाउन का संतनगर में असर रहा। पुलिस की निगरानी के साथ लोगों की जागरूकता के चलते सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। कुछ लोग घरों से बाहर निकले, लेकिन पुलिस डांटकर, समझाकर घरों में रहने को कहा। संतनगर के चौराहे पर पुलिस तैनात रही। बैरिकेटिंग कर पुलिस ने बाहर निकलने वालों को रोका भी और टोका भी। खजूरी सड़क बायपास पर भोपाल में प्रवेश करने वाले वाहनों को रोका गया। इमरजेंसी में आने वालों को ही शहर में प्रवेश दिया गया। पूरे शहर में पुलिस अधिकारियों ने घूम-घूमकर लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों और व्यवस्था पर नजर रखी।

पेज एक से जारी खबरों के शेष

एक वर्ष में रोग...

में करीब 1300 प्रकरण सामने आए हैं, जो चिंतनीय है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वे कल भोपाल की सड़कों पर निकले और बाजारों में लोगों को मास्क वितरित किए। हर व्यक्ति को मास्क का उपयोग अनिवार्य रूप से करना है। यदि कोरोना से बचाव का ये उपाय अपनाया जाता है तो हम अवश्य जीतेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि निश्चिंतता का भाव आ गया था, उससे प्रकरण बढ़े हैं। अब चूंकि वैक्सीन भी आ गई है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को वैक्सीन अवश्य लगवाना है। वैक्सीन के दोनों डोज लगवाए जाना चाहिए। फेस मास्क के निरंतर उपयोग और सोशल डिस्टेंसिंग के माध्यम से स्वयं को और परिवार को सुरक्षित भी रखना है। श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में गत वर्ष मार्च माह में उनके मुख्यमंत्री के दायित्व संभालने के समय काफी कठिन परिस्थितियाँ थीं। राजस्व प्राप्ति नहीं थी। उस समय कोरोना फैलना प्रारंभ हुआ था। अर्थ-व्यवस्था भी लड़खड़ा रही थी, लेकिन परिस्थितियों पर नियंत्रण स्थापित किया गया। प्रयास सफल हुए और गत वर्ष की तुलना में राजस्व वृद्धि में सफलता मिली है। मुख्यमंत्री ने कोरोना काल में अर्थ-व्यवस्था को संभालने के प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में जहाँ शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरतमंद व्यक्तियों को रोजगार देने के लिए रोजगार सेतु पोर्टल बनाया गया, वहीं पीएम स्वनिधि योजना से शहरी क्षेत्र के साढ़े तीन लाख और ग्रामीण क्षेत्र के डेढ़ लाख, इस तरह पाँच लाख छोटे कारोबारियों को मदद की गई। मनरेगा में जरूरतमंद लोगों को कार्य देने का रिकार्ड बनाया गया। हुनरमंद लोगों को भी रोजगार दिया गया। लोकल को वोकल बनाने के प्रयास बढ़ाए गए। जहाँ बड़े उद्योग राज्य में आए, वहीं एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा दिया गया। शासकीय नौकरियों में भर्ती से प्रतिबंध हटाया गया।

प्रदेश में 24...

20 मार्च को 600 हो गई है। पिछले 24 घंटे में कोरोना से 3 लोगों की मौत हुई है। ये मौतें रतलाम, ग्वालियर और बुरहानपुर में हुईं। मार्च माह के 20 दिनों में कोरोना से 42 लोग मरे हैं। कोरोना की जंग हारने वालों का आंकड़ा 3906 हो गया है। प्रदेश में कोराना का पहला केस 18 मार्च 2020 को जबलपुर में आया था। एक साल में संक्रमितों की संख्या 2,75,727 हो गई है। इस एक साल की अवधि में कोरोना से सबसे ज्यादा मौंते इंदौर में हुईं। आंकड़े देखें तो 62न्न मौंते केवल इंदौर, भोपाल, ग्वालियर सहित 7 जिलों में हो चुकी हैं।

महिला सुरक्षा, घुसपैठ ...

जाएगा। वहीं, मुख्यमंत्री शरणार्थी योजना के तहत प्रत्येक शरणार्थी परिवार को पांच साल तक डीबीटी के जरिए से 10 हजार रुपये हर साल दिए जाएंगे। इसके अलावा, घुसपैठ को पूर्णतया बंद करने का काम भी करने का वादा किया गया है। बीजेपी ने संकल्प पत्र में सीएए से लेकर किसानों तक के लिए कई वादे किए हैं। बीजेपी ने वादा किया है कि राज्य में अगली सरकार बनने पर राज्य सरकार की सभी नौकरियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिलेगा साथ ही 75 लाख किसानों को जो 18 हजार रुपये तीन साल से जो ममता दीदी ने नहीं पहुंचाया है, वह सीधे किसानों को बैंक अकाउंट में देंगे। हर साल किसानों को जो पीएम किसान योजना के तहत 6 हजार रुपये दिए जाते हैं, उसमें राज्य सरकार का 4 हजार रुपये जोड़कर दिया जाएगा। मछली पालने वालों को हर वर्ष 6 हजार रुपये दिए जाएंगे। पहली ही कैबिनेट में बंगाल के हर गरीब को आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिया जाएगा।

ममता भतीजे को...

की सरकार चुनी। लेकिन इसने बंगाल का भला नहीं किया। यहां हर काम के लिए कट मनी देना पड़ता है, टोलाबाजी हो रही है। ममता दीदी कहती हैं कि 500 रुपये ही तो लिए उसमें क्या हुआ! गृहमंत्री ने कहा कि हमने तय किया है कि हम यहां ऐसी सरकार लाएंगे, जिसके रहते बंगाल के युवा को बंगाल के बाहर रोजगार के लिए नहीं जाना पड़ेगा। ये जो तुष्टीकरण और घुसपैठ हो रही है, उसको भी रोकने का काम भाजपा की सरकार करेगी।

डबल इंजन सरकार बनने पर 'सोनार बांग्ला' बनाने का वादा ~शाहः केन्द्रीय गृह मी शाह ने आश्वासन दिया कि एक बार जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'डबल इंजन सरकार' पश्चिम बंगाल में सत्ता में आयेगी तो वह अगले पांच वर्षों में सभी वादों को पूरा करेगी और सीमा पार से घुसपैठ की घटनाओं को रोकना सुनिश्चत करेगी। गृह मंत्री ने एगरा में रैली को संबोधित करते हुए जय श्री राम के जयकारे लगाते हुए कहा कि यहा पूर्वी मेदिनीपुर की जनता राज्य की भ्रष्ट तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से उखाड़ने के लिए एकत्रित हुई है। तमलुक से अनुभवी तणमूल सांसद और सुवेंदु अधिकारी के पिता, शिशिर अधिकारी अमित शाह की उपस्थिति में भगवा ब्रिगेड में शामिल हुए और उन्होंने कहा उनका बेटा भारी मतों के अंतर से जीत हासिल करेगा। शाह ने लोगों से 'ममता दीदी गुंडों' की धमकियों को विरोध करने की अपील की और पश्चिम बंगाल में 'कट मनी पार्टी सरकार' को उखाड़ फेंकने के लिए निर्भीग होकर मतदान करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार अगले पांच वर्षों में किसानों के 18000 रुपये, राज्य सरकार के कर्मचारियों को सातवें केंद्रीय वेतन आयोग का विस्तार, मछली पकड़ने वाले समुदाय के लिए हर साल 6000 रुपये और सोनार बांग्ला बनाने का वादा किया। इससे पहले शिशिर अधिकारी ने कहा कि बंगाल को अत्याचारों से बचाओ, हम आपके साथ हैं, हमारे परिवार आपके साथ हैं। इस पर भीड़ की ओर से 'जय श्री राम' एवं 'जय भारत ' के नारे गूंजने लगे। बाद में शाह ने कहा कि हमारे 130 कार्यकर्ताओं की मौत हुई है। टीएमसी के गुंडों को इस मुगालते में नहीं रहें, उन्हें बिल्कुल नहीं बक्शा जाएगा। जब आगामी दो मई को पश्चिम बंगाल में हमारी सरकार बनेगी उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मामला गंभीर....

पास पूरा अधिकार है। शरद पवार ने कहा कि मैं उद्धव ठाकरे को परमबीर सिंह के दावों की जांच कराने में मदद के लिए पूर्व आईपीएस अधिकारी जूलियो रिबेरो की मदद लेने का सुझाव दूंगा। गृह मंत्री के खिलाफ जो आरोप लगे हैं, वे गंभीर हैं। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन के सूत्रों ने यह भी कहा कि आरोप बहुत गंभीर हैं और इन परिस्थितियों में सरकार के लिए अपना सम्मान बचाने का एकमात्र रास्ता गृह मंत्री के पद से देशमुख का इस्तीफा होगा। लेकिन, इस मुद्दे पर अंतिम निर्णय पवार द्वारा ही लिया जाएगा। राकांपा ने मामले पर आगे की कार्रवाई पर विचार करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में अपने वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक बुलाई है।

केंद्रीय एजेंसियों के ...

हैं। मुंबई पुलिस के आयुक्त पद से हटाए जाने के कुछ दिनों बाद सिंह ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर दावा किया कि राकांपा के वरिष्ठ नेता देशमुख ने वाजे एवं अन्य पुलिस अधिकारियों से मुंबई के बार एवं होटलों से हर महीने 100 करोड़ रुपये वसूलने के लिए कहा था।देशमुख ने अपने खिलाफ आरोपों को निराधार बताकर खारिज किया था। परमबीर सिंह के दावों पर सवाल उठाते हुए सावंत ने कहा, फरवरी में कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद देशमुख अस्पताल में थे। बीमार रहने के दौरान दो बार मैंने उनसे ऑनलाइन बातचीत की थी। अगर परमबीर सिंह के आरोपों को सच मानकर विश्वास किया जाए तो उन्होंने मार्च तक इंतजार क्यों किया और मामले उठाने के लिए स्थानांतरण होने तक इंतजार क्यों किया। उन्होंने कहा कि सिंह केंद्रीय एजेंसियों के दबाव में हो सकते हैं क्योंकि उनके निकट सहयोगी (वाजे) एनआईए की हिरासत में हैं। उन्होंने आरोप लगाया, परमबीर सिंह के आरोपों से कई सवाल पैदा होते हैं। यह सब स्क्रिप्टेड है। सिंह का पत्र सार्वजनिक होते ही किस तरह से भाजपा नेताओं ने समाचार चैनलों को साक्षात्कार देने शुरू कर दिए थे।

सच से भाग रहे ...

आरोप लगाया। फडणवीस ने कहा कि परमबीर सिंह से पहले महाराष्ट्र के डीजी सुबोध जायसवाल ने पुलिस ट्रांसफर्स में भ्रष्टाचार को लेकर एक रिपोर्ट महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को सौंपी थी। लेकिन सीएम ने उसपर कोई कार्रवाई नहीं इसलिए डीजी जायसवाल को पद से इस्तीफा देना पड़ा। केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद भी इस मसले पर रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करने आए। उन्होंने पूछा कि भाजपा की तरफ से पहला सवाल ये है कि सचिन वझे की नियुक्ति किसके दबाव में की गई? क्या शिवसेना का दबाव था? महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री या शरद पवार का दबाव था? वरिष्ठ नेता शरद पवार जी को पूर्व मुंबई पुलिस कमिश्नर द्वारा किस कारण से ब्रीफ किया जा रहा था जबकि पवार जी महाराष्ट्र सरकार के अंग नहीं है? यदि इतने गंभीर आरोपों के बारे में शरद पवार जी को ब्रीफ किया जा रहा था तो उन्होंने इसे रोकने के लिए अपने स्तर क्या कार्रवाई की।

प्रधानमंत्री एक महिला....

साजिश रची। वह कांग्रेस द्वारा सोशल मीडिया पर दो गलत तस्वीरें गलती से डालने को लेकर भी दुखी थे। उन्होंने मोदी से सवाल किया कि वह बाढ से प्रभावित लोगों और सीएए विरोधी आंदोलन के लिए दुखी क्यों नहीं हैं, जिसमें पांच युवक मारे गए। कांग्रेस नेता ने मोदी से सवाल किया कि आप तब असम क्यों नहीं आए जब लोग डूब रहे थे? आप तब दुखी क्यों नहीं थे, जब भाजपा द्वारा किए सभी बड़े वादे पूरे नहीं किए? क्या आप चाय बागान गए और कामगारों से उनकी दिक्कतों के बारे में बात की? असम में 'डबल इंजन' की सरकार वाले प्रधानमंत्री के चर्चित बयान के बारे में प्रियंका ने मजाक उड़ाते हुए कहा कि राज्य में अभी ' दो मुख्यमंत्री ' हैं। उन्होंने शक्तिशाली मंत्री हिमंत बिस्व सरमा और मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल के बीच सत्ता को लेकर चल रही खींचतान का जिक्र करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा कि आपके पास डबल इंजन की सरकार है, लेकिन असम के पास दो मुख्यमंत्री हैं। मुझे नहीं पता कि कौन से ईंधन से कौन-सा इंजन चलेगा। असम में असम सरकार नहीं चल रही है..भगवान आपको बचाए। कांग्रेस नेता ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने युवाओं, किसानों और चाय बागान श्रमिकों समेत समाज के सभी वगरें के साथ धोखा किया है, क्योंकि उसने पांच साल पहले किया अपना कोई भी वादा पूरा नहीं किया।

अमेरिका ने हमें ...

बयान दिया है। उन्होंने कहा कि लोगों में सरकार द्वारा बांटे गए चावल को लेकर जलन भी होने लगी कि दो सदस्यों वालों को 10 किलो जबकि 20 सदस्य वालों को एक क्विंटल अनाज क्यों दिया गया? उन्होंने कहा की 'भैया इसमें दोष किसका है, उसने 20 पैदा किए, आपने दो पैदा किए, तो उसको एक क्विंटल मिल रहा है, इसमें जलन काहे का। जब समय था तब आपने दो ही पैदा किए, 20 क्यों नहीं किए।' इस दौरान सीएम ने किसी धर्म या जाति का नाम नहीं लिया।

बूथ कार्यकर्ता भाजपा की ताकतःरामेश्वर

भोपाल (हिनप्र)। भाजपा में बूथ कार्यकर्ता सबसे अहम होता है, पार्टी बूथ जीता चुनाव जीता के मंत्र पर काम करती है। बूथ कार्यकर्ता मतदाता सूची का अवलोकन कर उनकी पहचान कर लें। सरकार के कामों को जनता तक पहुंचाने के काम में जुट जाएं।

विधायक रामेश्वर शर्मा संतनगर के वार्ड चार के बूथ कार्यकर्ताओं की बैठक में यह बात कही। नंदवानी ऑडिटोरियम में हुई बैठक में वार्ड के 27 बूथों के कार्यकर्ता शामिल हुए। शर्मा ने कहा कि केन्द्र की और प्रदेश की भाजपा सरकार के विकास कामों के साथ संतनगर में हुए कामों का ब्योरा लेकर अभी से जनता की बीच जाएं।

भाजपा नेता राहुल राजपूत ने बताया की नगर निगम चुनाव को लेकर बनाई गई मतदाता सूची के अनुसार सभी बूथ के कार्यकर्ताओं का निर्धारण कर दिया गया था, जिसके लिए सभी बूथों पर बैठक हुई थी, वह सभी कार्यकर्ता विधायक का मागदर्शन लेने इकट्ठे हुए थे। बैठक में भाजपा मंडल अध्यक्ष कमल विधानी, जिला उपाध्यक्ष राम बंसल,किशन अच्छानी,सूरज यादव,महेश खटवानी,हरीश बिनवानी,किरण वाधवानी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

अशोक अग्रवाल बने मप्र-छग के क्षेत्र कार्यवाह

भोपाल (काप्र)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बेंगलुरू में हुई बैठक में राष्ट्रीय स्तर पर हुए बदलाव से मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ भी प्रभावित हुआ है। अब तक सरकार्यवाह का दायित्व संभाल रहे मप्र निवासी भय्या जी जोशी और सह सरकार्यवाह रहे सुरेश सोनी दायित्व से मुक्त हो गए हैं। वहीं मप्र-छग के पूर्व क्षेत्र प्रचारक रहे राम दत्त चक्रधर को पदोन्नत कर सह सरकार्यवाह बनाया गया है। संघ सूत्रों के मुताबिक संघ के दोनों ही वरिष्ठ पदाधिकारी 75 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं। यही वजह है कि संघ की परंपरा मुताबिक दोनों संघ नेताओं को उनकी इच्छा अनुसार दायित्व से मुक्त किया गया है।

गंगा जलेबी- जंगल जलेबी का पौधा रोपा

भोपाल (हिनप्र)। दीनदयाल बोरवन क्लब द्वारा विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर गंगा जलेबी के पौधे का रोपण किया गया। साथ ही क्लब के पदाधिकारियों ने इस विषय पर अपने विचार रखे।

क्लब संस्थापक कन्हैयालाल इसरानी ने बताया हमारी संस्था आये दिन वृक्षारोपण के अवसर ढूंढती रहती हैए औषधीय गुणों से सम्पन पौधे लगाकर, उनका उपयोग कर हमें स्वस्थ जीवन का अनुभव करना चाहिए। अध्यक्ष जगदीश आसवानी बताया हमारे मुख्यमंत्री भी प्रति दिन एक पौधा अवश्य लगाते हैं। हमें भी अपने देश वन संपदाएमिट्टी जंगलए वन्य प्राणियों के संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर सुरेश गेहानी, कमल खिलरानी, हरीश बिनवानी, धर्मू महाराज व अन्य पर्यावरण प्रेमी मौजूद थे।

संतनगर स्टेशन की सेकंड एन्ट्री को विकसित करना जरूरी

भोपाल (हिनप्र)। संतनगर रेलवे स्टेशन राजधानी का तीसरा बड़ा स्टेशन का रूप ले जा रहा है। 2022 तक राजगढ़ ब्यावरा से आने वाले तीसरी लाइन के बाद यहां तीसरे प्लेटफार्म को बनाने का काम शुरू होगा। भोपाल मुख्य एवं हबीबगंज स्टेशन पर ट्रेनों के भारी दबाव के कारण भविष्य में इसी स्टेशन को टर्मिनल के रूप में विकसित किया जाना भी प्रस्तावित है, लगभग 50 एकड़ जमीन खाली है, जहां अतिरिक्त प्लेटफार्म बनाकर यहां से ट्रेनों को चलाया जाना भी प्रस्तावित है। ऐसे में स्टेशन पर सेकेंड एंट्री की सख्त जरूरत है।

सिंधी सेन्ट्रल पंचायत ने केन्द्रीय रेल मंत्री पीयूष गोयल, सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर, विधायक रामेश्वर शर्मा एवं डीआरएम भोपाल को पत्र लिखकर इस दिशा में जल्द से जल्द कदम उठाने का आग्रह किया है। साथ ही सेकेंड एन्ट्री के बंद ताले को भी खुलवाने की मांग की है। पंचायत के संरक्षक एवं प्रदेश भाजपा प्रवक्ता प्रकाश मीरचंदानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष वासुदेव वाधवानी, जगदीश आसवनी, रामचंद सभनानी, महावचिव सुरेश जसवानी, सलाहकार एवं रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के राष्ट्रीय सदस्य नितेश लाल, सलाहकार एवं कपड़ा एसोसियेशन के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी, हीरो लालवानी एवं पंचायत सचिव रमेश हिंगोरानी ने पत्र में कहा है कि हाल ही में सप्ताह में छह दिन अहमदाबाद-गोरखपुर एवं सप्ताह में एक दिन बांद्रा व्हाया सूरत गोरखपुर ट्रेनों का यहां स्टापेज रखा गया है और इन दोनों ट्रेनों का भोपाल मुख्य स्टेशन पर हाल्ट नहीं है इन दोनो ट्रेनों के अलावा कुछ अन्य स्पेशल ट्रेनें भी हैं, जो व्हाया निशातपुरा से संत हिरदाराम नगर तथा वापसी में हिरदाराम नगर से व्हाया निशातपुरा से विदिशा रूट पर चल रही हैं।